छोटे लंड का पति

मेरा नाम कामिनी है। मैं २३ साल की हूँ और दिखने में खूबसुरत और सैक्सी हूँ। २ साल पहले की बात है मैं एक MNC में काम करती थी। उसी MNC में प्रभु भी काम करने के लिये आये। मैं उनसे senior थी। प्रभु बहुत ही handsome थे। जब से उन्होंने ऑफिस join किया था तब से ही मैं मन ही मन उन पर मर मिटी। मेरी अभी तक शादी नहीं हुयी थी। धीरे धीरे हम दोनों में गहरी दोस्ती हो गयी और फिर हमारी दोस्ती प्यार में बदल गयी।

फिर २ महीने के बाद हम दोनों ने शादी कर ली। प्रभु का एक छोटा भाई भी था, जय। वो प्रभु से ५ साल छोटा था और उसकी उम्र २१ साल की थी और मेरी उम्र २५ साल की थी। प्रभु जय को बहुत ज्यादा मानते थे। जय प्रभु से ज्यादा handsome था और ताकतवर भी। वो बहुत शरारती भी था। हम दोनों एक दूसरे से खूब हंसी मज़ाक करते थे। मुझे उसका हंसी मज़ाक करना बहुत ही अच्छा लगता था। प्रभु भी हम दोनों को देख कर बहुत खुश रहते थे। शादी के बाद प्रभु ने मुझसे नौकरी छोड़ देने को कहा तो मैंने नौकरी छोड़ दी। अब मैं घर पर ही रहने लगी। जय MA final में पढ़ रहा था।

प्रभु से शादी हो जाने के बाद मैं उनके घर आ गयी। सुहागरात के दिन जब मैंने प्रभु का लंड देखा तो मेरे सारे सपने टूट गये। उनका लंड केवल ३" लम्बा और बहुत ही पतला था। उन्होंने जब पहली पहली बार अपना लंड मेरी चूत में घुसाया तो मेरे मुँह से केवल एक हल्की सी सिसकारी भर निकली और उनका पूरा का पूरा लंड एक ही धक्के में मेरी चूत के अन्दर समा गया। मुझे यह पता ही आईं चला। उन्होंनें बड़ी मुश्किल से – ५ मिनट ही मुझे चोदा और झड़ गये। मैं उदास रहने लगी। प्रभु ने शादी में १५ दिनों की छुट्टी ले ली थी और घर पर ही रहते थे।

१५ दिनों के बाद जब वो ऑफिस जाने लगे तो उन्होंने मुझसे कहा, जय की बहुत देर तक सोने की आदत है। उसको जगा देना और कॉलेज भेज देना।

मैंने कहा, ठीक है। प्रभु चले गये।

उनके जाने के बाद मैं जय को जगाने उसके रूम में गयी। मैंने जय को जगाया तो वो उठ गया। मैंने जय से कहा, जब तुम्हारे भैया की शादी नहीं हुयी थी तब तुम्हे कौन जगाता था।

वो बोला, भैया जगाते थे।

जय फ्रेश होने चला गया और मैं उसके लिये नाश्ता बनाने चली गयी। नाश्ता करने के बाद जय कॉलेज चला गया। प्रभु ९ बजे ऑफिस चले जाते थे और जय १० बजे कॉलेज चला जाता था। जय कॉलेज से ३ बजे वापस आ जाता था जब कि प्रभु रात के ७ बजे तक वापस आते थे। अगले दिन प्रभु के ऑफिस चले जाने के बाद मैं जय को जगाने गयी। जैसे ही मैं जय के रूम में पहुँची तो मेरी आँखें खुली की खुली रह गयीं। जय गहरी नींद में सो रहा था और खर्राटे भर रहा था। उसकी लुंगी खुल कर बेड के किनारे पड़ी हुयी थी और उसका लंड खड़ा था। उसका लंड ८" लम्बा और बहुत ही मोटा था। मैं सोचने लगी कि बड़े भाई का लंड ३" लम्बा है आ छोटे भाई का ८" लम्बा। कुदरत भी क्या क्या करिश्मे करती है।

मैं बहुत ही सैक्सी थी और शादी के बाद प्रभु मेरी प्यास जरा सा भी नहीं बुझा पाये थे इसलिये मैं जय के लंड को ध्यान से देखती रही। मुझे जय का लंड बहुत ही अच्छा लग रहा था। उसके लंड को देख कर मेरे मन में गुदगुदी सी होने लगी। मैंने सोचा काश प्रभु का लंड भी ऐसा ही होता तो मुझे खूब मज़ा आता। मैं बहुत देर तक उसके लंड को देखती रही। अचानक मेरे मन में खयाल आया कि जय को कॉलेज भी जाना है। मैं सोच में पड़ गयी कि उसे कैसे जगाऊँ। वो जागने के बाद पता नहीं क्या सोचेगा। बहुत देर तक मैं खड़ी खड़ी सोचती रही और उसके लंड को देखती रही। मैंने मन ही मन सोचा काश जय ही मुझे चोद देता तो मुझे जवानी का मज़ा तो मिल जाता।

मैं जय के नज़दीक गयी और कहा, जय, ९ १/२ बज रहे हैं। उठना नहीं है क्या। वो हड़बड़ा कर उठा तो उसने खुद को एक दम नंगा पाया। वो कभी मुझे और कभी अपने लंड की तरफ़ देखने लगा।

मैंने कहा, तुम ऐसे ही सोते हो क्या। तुम्हें शर्म नहीं आती।

वो बोला, गहरी नींद में सोने की वजह से अकसर मेरी लुंगी खुल कर इधर उधर हो जाती है। आज तुमने भी मेरा लंड देख ही लिया। अब क्या होगा।

मैंने कहा, होगा क्या।

उसने अपने लंड कि तरफ़ इशारा करते हुए कहा, भाभी, ये मुझे बहुत ही परेशान करता है। अकसर सुबह को ये खड़ा हो जाता है। इतना कह कर उसने अपनी लुंगी उठानी चाही तो मैंने तुरन्त ही उसकी लुंगी उठा ली और कहा, तुम ऐसे ही बहुत अच्छे लग रहे हो।

वो बोला, क्या मैं ही अच्छा लग रहा हूँ। क्या मेरा लंड अच्छा नहीं है।

मैंने कहा, वो तो बहुत ही अच्छा है।

वो बोला, पसन्द है तुम्हें।

मैंने कहा, हाँ।

वो बोला, फिर ठीक है। चाहो तो हाथ लगा कर देख लो।

मैंने कहा, कॉलेज नहीं जाना है क्या?

जाना तो है। तुम इसे हाथ से पकड़ कर देख लो। उसके बाद मैं कॉलेज चला जाऊँगा।

मेरा मन तो जय से चुदवाने को कर रहा था लेकिन ये बात मैंने जाहिर नहीं होने दी। मैंने कहा, अगर तुम कहते हो तो मैं पकड़ लेती हूँ लेकिन तुम कुछ और तो नहीं करोगे न।

वो बोला, बिल्कुल नहीं।

मैंने कहा, फिर ठीक है।

मैं जय के बगल में बेड पर बैठ गयी। जोश के मारे मेरी चूत गीली हो रही थी। उसने मेरा हाथ अपने लंड पर रख दिया तो मैंने जय का लंड पकड़ लिया। थोड़ी देर तक मैं उसके लंड को पकड़े रही तो वो बोला, सहलाओ इसे। मैंने उसके लंड को धीरे धीरे सहलाना शुरु कर दिया। मेरे सहलाने से उसका लंड और ज्यादा tight हो गया। थोड़ी देर बाद मैंने कहा, अब जाओ, नहा लो।

वो बोला, और सहलाओ।

मैं उसका लंड सहलाने लगी। वो बोला, चुदवाओगी।

मैंने कहा, नहीं।

उसने पुछा, क्यों, मेरा लंड तुम्हें पसन्द नहीं आया।

मैंने कहा, मैंने कहा था न कि मुझे तुम्हारा लंड पसन्द है।

वो बोला, फिर चुदवा लो।

मैंने कहा, मैं तुम्हारी भाभी हूँ। मैं तुमसे नहीं चुदवाऊँगी।

वो बोला, फिर तो तुम्हें सारी जिन्दगी जवानी का मज़ा नहीं मिल पायेगा।

मैंने पुछा, क्यों।

वो बोला भैया का लंड केवल ३" का ही है। मैं जानता हूँ कि उनसे चुदवाने में किसी भी औरत को बिल्कुल भी मज़ा नहीं आयेगा।

मैंने कहा, तुम कैसे जानते हो कि उनका लंड छोटा है।

वो बोला, हम दोनों बहुत दिनों तक साथ ही साथ एक दम नंगे ही नहाते थे। हम दोनों एक दूसरे के लंड के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। तुम मुझसे चुदवा लो। मैं तुम्हें जवानी का पूरा मज़ा दूंगा।

मैंने कहा, तुम्हारे भैया को पता चलेगा तो वो क्या कहेंगे?

जय बोला, कुछ नहीं कहेंगे क्योंकि वो जानते हैं कि उनका लंड छोटा है और वो किसी औरत को पूरा मज़ा नहीं दे सकते।

मैंने कहा, अच्छा देखा जायेगा। अब तुम जाओ नहा लो। मैं नाश्ता बनाती हूँ। जय नहाने चला गया और मैं किचन में नाश्ता बनाने चली गयी। नहाने के बाद जय ने नाश्ता किया और कॉलेज चला गया। उस दिन जब मैं रात में सोने के लिये अपने रूम में गयी तो प्रभु जाग रहे थे। मैं जैसे ही बेड पर उनके पास बैठी तो उन्होंने पुछा, कैसा लगा जय का लंड।

मैंने कहा, क्या मतलब है तुम्हारा।

वो बोले, शादी के पहले मैं ही जय को जगाया करता था। अकसर उसकी लुंगी खुल कर इधर उधर हो जाती थी और उसका लंड दिखायी देता था। अब तो तुम ही जय को जगाती हो। मैं समझता हूँ कि तुमने अब तक जय का लंड देख लिया होगा। इसी लिये मैं पूछ रहा हूँ कि जय का लंड तुम्हें पसन्द आया या नहीं।

मैंने शर्माते हुए कहा, आज जब मैं जय को जगाने गयी थी तो उसकी लुंगी खुल कर बेड के किनारे पड़ी थी, तभी मैंने उसका लंड देखा था। उसका लंड तो बहुत ज्यादा लम्बा और मोटा है। उसकी बीवी को जवानी का भरपूर मज़ा मिलेगा। मेरी किस्मत में तो जवानी का मज़ा लिखा ही नहीं है।

वो बोले, मैं जानता हूँ कि मैं तुम्हें पूरा मज़ा नहीं दे सकता क्योंकि मेरा लंड तो किसी छोटे लड़के की तरह है। अगर तुम चाहो तो जय से चुदवा कर जवानी का पूरा मज़ा ले लो और मुझे जरा सा भी एतराज़ नहीं है और न ही मैं तुम्हें मना करूँगा। इस तरह घर की आत घर में ही रह जायेगी। किसी को कुछ भी पता नही चलेग।

मैंने कहा, तुम नशे में तो नहीं हो।

वो बोले, मैं पूरे होश में हूँ। मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से तुम सारी ज़िन्दगी जवानी का मज़ा न ले पाओ। तुम जय से चुदवा कर जवानी का पूरा मज़ा उठाओ।

मेरा मन तो पहले से ही जय से चुदवाने को हो रहा था। अब तो मुझे अपने पति से इज़ाज़त भी मिल गयी। मैं बहुत खुश हो गयी। मैंने कहा, ठीक है, देखा जायेगा।

वो बोले, देखा नहीं जायेगा, तुम उस से कल ही चुदवा लो। कल उसे कॉलेज मत जाने देना और सारा दिन खूब जम कर चुदवाना और मज़ा लेना।

मैंने कहा, ठीक है। मैं कल जय से चुदवाने की कोशिश करूँगी। उसके बाद हम सो गये। अगले दिन प्रभु के ऑफिस चले जाने के बाद मैं नहाने चली गयी। नहाने के बाद मैंने अन्दर कुछ भी नहीं पहना। मैंने केवल **towel** को अपने बदन पर लपेट लिया क्यों कि आज मुझे जय से चुदवाना था। उसके बाद मैं बाथरूम से बाहर आ गयी। जय अभी सो रहा था। मेरे मन में अभी भी उसके लंड का खयाल बार बार आ रहा था। मैं उसके लंड को बार बार देखना चाहती थी। मैं उसके रूम में पहुँची तो जय सो रहा था। आज उसकी लुंगी खुल कर बेड के नीचे ज़मीन

पर पड़ी थी। उसका लंड एक दम खड़ा था। मैंने उसकी लुंगी उठा कर ड्रेसिंग टबेल पर रख दी। उसके बाद मैं जय के बगल में बैठ गयी और उसके लंड को देखने लगी। धीरे धीरे मुझे जोश आने लगा और मेरी आँखें गुलाबी सी होने लगी। मेरा मन कर रहा था कि मैं उसके लंड को पकड़ लूँ लेकिन मेरे मन में खयाल आया कि जय क्या सोचेगा। कहीं वो बुरा न मान जये। मैं बहुत देर तक उसके लंड को देखती रही। जोश के मारे मेरी चूत गीली होने लगी। मुझसे और ज्यादा बरदाश्त नहीं हुआ और मैंने उसके लंड को पकड़ लिया। जय फिर भी नहीं उठा तो मैं उसके लंड को सहलाने लगी। २ मिनट में ही जय उठ गया।

उसने मुझे अपना लंड सहालते हुए देखा तो बोला, लगता है कि आज चुदवाने का इरादा है।

मैंने कहा, कुछ ऐसा ही समझो।

वो बोला, फिर आ जाओ। इतना कह कर जय ने मुझे अपनी तरफ़ खींच लिया। मैं जोश में आ चुकी थी इस लिये कुछ भी नहीं बोल पायी। उसके लंड को हाथ लगाने से मेरे सारे बदन में आग सी लगने लगी थी। जय ने मेरे होंठों को चूमते हुए बोला, और तेजी से सहलाओ। मैं चुप चाप उसके लंड को तेजी से सहलाने लगी। मैं उसका लंड सहालती रही और वो मेरे होंठों को चूमता रहा। थोड़ी ही देर में उसका लंड एक दम **tight** हो गया। उसके लंड का सुपाड़ा बहुत ही मोटा था और एकदम गुलाबी सा दिख रहा था। मैंने अपनी अंगुली उसके लंड के सुपाड़े पर फिरनी शुरु कर दी तो वो आहें भरते बोला, ओह भाभी, बहुत मज़ा आ रहा है। जय जोश के मारे पागल सा हुआ जा रहा था। उसने मेरे बदन पर से **towel** खींच कर फेंक दिया तो मैं एक दम नंगी हो गयी। मैंने शरम से अपनी आँखें बन्द कर लीं। उसने मेरे **nipples** को मसलना शुरु कर दिया। मैं जोश से पागल सी होने लगी। मेरी चूत और ज्यादा गीली हो गयी। जय ने मेरा चेहरा अपने लंड की तरफ़ करते हुए कहा, देखो भाभी, तुम्हारे सहलाने से ये पूरे जोश में आ गया है। मैंने अपनी आँखें खोल दी।

वो बोला, इसे अपने मुँह में ले लो। उसने मेरा सिर पकड़ कर अपने लंड की तरफ़ खींच लिया और उसके लंड का सुपाड़ा मेरे मुँह से आ लगा। उसने कहा, चूसो न इसे। मैंने उसके लंड के सुपाड़े को अपने मुँह में ले लिया और चूसने लगी। मैं बहुत देर तक उसके लंड को चूसती रही और वो एक हाथ से मेरा सिर सहालाता रहा और दूसरे हाथ से मेरे **boobs** को मसलता रहा। थोड़ी देर बाद उसके लंड का रस मेरे मुँह में निकलने लगा। मैंने अभी तक प्रभु के लंड के रस का स्वाद नहीं लिया था इस लिये मुझे उसके लंड के रस का स्वाद बहुत अच्छा लग रहा था। मैं उसके लंड का सारा रस निगल गयी।

जय बहुत खुश हो गया और बोला, आज तो मज़ा आ गया। चुदवाओगी।

मैंने कहा, नहीं।

वो बोला, क्यों। अभी तो कह रही थी कि कुछ ऐसा ही समझ लो। अब कह रही हो, नहीं।

मैंने कहा, तुम्हारा बहुत बड़ा है। दर्द बहुत होगा।

वो बोला, तो क्या हुआ, मज़ा भी तो आयेगा। इतना कह कर उसने मुझे बेड पर लिटा दिया और मेरी चूत को सहलाने लगा। मेरे सारे बदन में बिजली सी दौड़ने लगी। उसने अपने होंठ मेरे होंठों पर रख दिये। मैंने भी जोश के मारे उसके होंठों को चूमना शुरु कर दिया। थोड़ी देर बाद जय ने एक अंगुली मेरी चूत में डाल दी और अन्दर बाहर करने लगा तो मुझे खूब मज़ा आने लगा मैंने भी जोश के मारे अपने चुतड़ उठाने शुरु कर दिये। थोड़ी ही देर के बाद मुझे लगा कि मेरी चूत से कुछ निकलने वाला है।

मैंने शर्माते हुए जय से कहा, अपनी अंगुली बाहर निकाल लो।

वो बोला, क्यों, अच्छा नहीं लग रहा है।

मैंने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। लेकिन मुझे लग रहा है कि मेरी चूत से कुछ निकलने वाला है।

वो बोला, ये तो बहुत अच्छी बात है। जैसे मेरे लंड से रस निकला था उसी तरह तुम्हारी चूत से भी रस निकलेगा। इतना कह कर जय उठा और मेरे उपर ६९ की **position** में हो गया। उसने अपनी जीभ मेरी **clit** पर फिराते हुए मेरी चूत को चाटना शुरु कर दिया। मेरे सारे बदन में सनसनी सी होने लगी। मैंने जय का लंड मुँह में ले लिया और चूसने लगी। मैं एक हाथ से जय का सिर अपनी चूत पर दबाने लगी तो वो मेरी चूत को और ज्यादा तेज़ी के साथ चाटने लगा। मैं और ज्यादा जोश में आ गयी। मैंने जय का लंड तेजी के साथ चूसना शुरु कर दिया। अब तक मैं एक दम बेकाबु हो चुकी थी और चाहती थी कि जय मुझे चोद दे। तभी मेरी चूत से कुछ गरम गरम सा निकलने लगा। मुझे बहुत अच्छा लग रहा था। जय ने मेरी चूत का सारा का सारा रस चाट लिया। जय का लंड भी फिर से खडा हो चुका था। मेरी चूत का सारा रस चाट लेने के बाद जय मेरे पैरों के बीच आ गया। उसने मेरे दोनों पैरों को फैला कर अपने लंड का सुपाड़ा मेरी चूत के बीच रख दिया। उसके बाद उसने मेरे दोनों **boobs** को मसलते हुए अपने लंड के सुपाड़े को मेरी चूत पर रगड़ना शुरु कर दिया। मेरे सारे बदन में गुदगुदी सी होने लगी और जोश में आ कर मैं सिसकारियाँ भरने लगी।

थोड़ी ही देर में उसका लंड पूरी तरह से **tight** हो गया। तभी उसने एक धक्का लगा दिया। दर्द के मारे मेरे मुँह से चीख निकल गयी। उसके लंड का सुपाड़ा मेरी चूत में घुस गया था। मुझे लग रहा था कि किसी ने एक लोहे की रॉड मेरी चूत में घुसेड़ दी हो। लेकिन मैंने जय को बिल्कुल भी मना नहीं किया क्यों कि मैं पूरे जोश में आ चुकी थी और जय का पूरा लंड अपनी चूत के अन्दर लेना चाहती थी। तभी उसने एक जोर का धक्का और लगा दिया। दर्द के मारे मेरे मुँह से जोर की चीख निकली और मेरी आँखों में आँसू आ गये। लग रहा था कि जैसे कोई गरम लोहा मेरी चूत को चीरते हुए अन्दर घुस गया हो।

मैंने कहा, बाहर निकाल लो अपना लंड, बहुत दर्द हो रहा है।

उसने कहा, थोड़ा बर्दाश्त करो, फिर खूब मज़ा आयेगा। उसका लंड मेरी चूत में ३" तक घुस चुका था। तभी उसने एक धक्का और लगाया। मैं दर्द से तड़प उठी। लग रहा था कि कोई मेरी चूत को बुरी तरह से फैला रहा है। मेरी चूत उसकी सीमा से बहुत ज्यादा फैल चुकी थी। उसका लंड ४" तक मेरी चूत में घुस चुका था।

मैंने कहा, जय, अब रहने दो, बहुत दर्द हो रहा है। तुम इतना लंड ही डाल कर मुझे चोद दो। बाकी का लंड बाद में घुसा देना।

वो बोला, बाद में क्यों, क्या तुम मेरा पूरा लंड अपनी चूत में नहीं लेना चाहती।
मैंने कहा, लेना चाहती हूँ।

वो बोला, तो फिर पूरा अन्दर लो। इतना कहने के बाद उसने पूरी ताकत से एक जोर का धक्का और मारा। दर्द के मारे मैं तड़प उठी और मेरी आँखों के सामने अन्धेरा छाने लगा। उसका लंड मेरी चूत में ५" तक घुस गया था, मैं रोने लगी।

वो बोला, रो क्यों रो रही हो।

मैंने कहा, बहुत दर्द हो रहा है। मुझसे ये दर्द बर्दाश्त नही हो रहा है। मेरी चूत फट जायेगी।

तभी **call-bell** बजी। हम दोनों घबड़ा गये। जय बोला, पता नहीं कौन आ गया इस समय।

मैंने कहा, अब आज रहने दो और जा कर देखो कि कौन आया है।

वो बोला, जाता हूँ, पहले मैं पूरा लंड तो घुसा दूँ।

मैंने कहा, बाद में घुसा देना।

वो बोला, नहीं, मैं अभी घुसाऊँगा। तुम अपने होंठों को जोर से जकड़ लो जिस से तुम्हारे मुँह से चीख न निकले। मैंने अपने होंठों को जोर से जकड़ लिया। उसने मेरी कमर को पकड़ कर बहुत ही जोर का धक्का लगा दिया। मैं मछली की तरह तड़पने लगी। मुझे लग रहा था कि मेरी चूत फट जायेगी, मेरे मुँह से चीख निकलने ही वाली थी कि जय ने अपने हाथ से मेरा मुँह दबा दिया। उसके बाद उसने पूरी ताकत के साथ २ धक्के और लगा दिये। मेरे मुँह से केवल गूँ गूँ की आवाज़ ही निकाल पायी और उसका पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में समा गया। मैं दर्द के तड़प रही थी और मेरा सारा बदन पसीने से नहा गया था। मेरे पैर थर थर कांप रहे थे। मेरा दिल बहुत तेजी के साथ धड़कने लगा था और मेरी साँसें बहुत तेज चलने लगी थी। लग रहा था कि मेरा दिल अभी मेरे मुँह के रास्ते बाहर आ जायेगा। जरा सा रुकने के बाद जय ने एक झटके से अपना पूरा का पूरा लंड बाहर खींच लिया। मुझे लगा कि मेरी चूत भी उसके लंड के साथ ही बाहर आ जायेगी। पक की आवाज़ के साथ उसका लंड मेरी चूत से बाहर आ गया।

उसने मुझे अपना लंड दिखाते हुए कहा, देखो भाभी, तुम्हारी कुँवारी चूत की निशानी मेरे लंड पर लगी हुयी है। मैंने देखा कि उसके लंड पर ढेर सारा खून लगा हुआ था। तभी उसने अपने लंड के सुपाड़े को फिर से मेरी चूत के मुँह पर रखा और पूरी ताकत के साथ जोर का धक्का लगाते हुए अपना पूरा लंड मेरी चूत में घुसाने की कोशिश की। लेकिन एक धक्के में वो अपना पूरा लंड मेरी चूत में नहीं घुसा पाया। उसने २ धक्के और लगाये तब कहीं जा कर उसका लंड मेरी चूत में पूरा घुस पाया। मैं दर्द से तड़पते हुए चीखने लगी लेकिन जय कुछ सुन ही नहीं रहा था। पूरा लंड घुसा देने के बाद उसने फिर से एक ही झटके में अपना लंड बाहर निकाल लिया। तभी फिर से call-bell बजी।

मैंने कहा, पहले जा कर देखो तो सही कि कौन है।

वो बोला, अभी जाता हूँ। उसने फिर से २ धक्के लगाये और अपना पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में घुसा दिया। पूरा लंड मेरी चूत में घुसाने के बाद उसने एक ही झटके से अपना पूरा का पूरा लंड बाहर खींच लिया। ऐसा उसने ३–४ बार किया। उसके बाद वो हट गया। मैं उठना चाहती थी लेकिन दर्द के मारे मैं उठ नहीं पा

रही थी। मेरी चूत में बहुत दर्द हो रहा था। मैं सोचने लगी कि अभी तो उसने केवल अपना पूरा लंड ही मेरी चूत में घुसाया है। जब वो अपना पूरा लंड घुसाते हुए मेरी चुदायी करेगा तब मेरा क्या हाल होगा। मैं तो मर ही जाऊँगी। जय ने लुंगी पहन ली और कहा, तुम बाथरूम में चली जाओ। मैं देखता हूँ कौन आया है।

मैंने कहा, दर्द के मारे मेरा तो बुरा हाल है। मैं उठ ही नहीं पा रही हूँ और तुम कह रहे हो कि बाथरूम में चली जाओ।

वो बोला, फिर तुम चादर ओढ़ कर लेटी रहो। मैं जा कर देखता हूँ कि कौन आया है। मैंने चादर ओढ़ ली। जय दरवाज़ा खोलने चला गया थोड़ी ही देर में जय एक औरत के साथ मेरे पास आया। औरत बहुत ही खूबसुरत थी। उस औरत ने बहुत ही सलीके से मेक-अप किया हुआ था और सलवार कमीज़ और साथ ही हाई हील के सैंडल पहने हुए थी।

मैंने पुछा, कौन है ये।

वो बोला, ये निशा है।

निशा ने जय से पुछा, ये तो तुम्हारी भाभी है न।

जय ने कहा, हाँ।

वो बोली, ये चादर ओढ़ कर क्यों लेटी हुयी हैं। तबियत तो ठीक है इनकी।

जय बोला, मैं इनकी तबियत ही ठीक कर रहा था कि तुम आ गयी। मैंने भाभी से बाथरूम में चले जाने को कहा लेकिन ये खड़ी ही नहीं हो पा रही थी। इसलिये इन्होंने चादर ओढ़ ली है।

इतना कह कर जय ने मेरे उपर से चादर हटा दी। निशा मेरी हालत देख कर हँसने लगी। जय ने कहा, हँस क्यों रही हो। तुम्हारी हालत तो इससे भी ज्यादा खराब हो गयी थी।

वो बोली, क्या तुमने अपनी भाभी को आज पहली बार चोदा है।

जय ने कहा, अभी चोदा कहाँ है। अभी तो मैंने केवल अपना पूरा लंड ही इनकी चूत में घुसाया था कि तुम आ गयी।

जय ने मुझसे कहा, भाभी, ये निशा है। हमारे पड़ोस में रहती है। इसे मेरा लंड बहुत पसन्द है। ये मुझसे चुदवाने आयी है।

मैंने कहा, कब से चोद रहे हो इसे।

जय बोला, लगभग २ साल से। मैंने पुछा, इसे तेरा लंड अपनी चूत में लेने में तक्लीफ़ नहीं होती। तुमने तो अभी मेरी चूत में केवल अपना लंड घुसाया है और मेरी हालत एक दम खराब हो गयी है।

निशा बोली, पहली पहली बार तो जय ने मुझे मार ही डाला था। इस ने बड़ी बेरहमी से अपना पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में घुसेड़ दिया था। मैं बहुत चीखी और चिल्लायी थी लेकिन इसने मुझ पर कोई रहम नहीं किया था। मेरी चूत एक दम सूज गयी थी और कई जगह से कट फट गयी थी। २ दिनों तक मैं ठीक से चल फिर भी नहीं पा रही थी। लेकिन १ बार जय से चुदवाने के बाद मैं अपने आप को रोक नहीं पायी क्योंकि इसने मुझे बहुत ही अच्छी तरह से चोदा था। मुझे अपने पति से चुदवाने में ऐसा मज़ा कभी नहीं मिला था। २ दिनों तक मैंने अपनी चूत की गरम पानी से खूब सिकायी की तब कहीं जा कर मैं कुछ चलने फिरने के काबिल हुयी। उसके बाद मैं फिर से इसके पास आ गयी। इसने मुझे सारा दिन बहुत ही बुरी तरह से चोदा। शाम को जब मैं घर वापस गयी तब तक ये मुझे ४ बार चोद चुका था। उसके बाद से तो मैं इसके लंड की दिवानी हो गयी हूँ। आज तुमने भी इसका पूरा लंड अपनी चूत में ले लिया है। अब जब ये तुम्हें

चोदेगा तब तुम्हें पता चल जायेगा कि असली चुदायी क्या होती है और उसमें कितना मज़ा आता है।

मैंने कहा, मैं भी तो जय से चुदवा कर जवानी का मज़ा लेना चाहती हूँ। अभी इसने मेरी चूत में अपना पूरा लंड घुसाया ही था कि तुम आ गयी। तुम थोड़ी देर आराम लो। पहले मुझे जय से चुदवा लेने दो उसके बाद तुम चुदवा लेना।

निशा बोली, नहीं दीदी, पहले तुम मुझे जय से चुदवा लेने दो। उसके बाद जब जय तुम्हारी चुदायी करेगा तो जल्दी नहीं झड़ेगा और तुम्हें पहली पहली बार की चुदायी में ही पूरा मज़ा आ जायेगा।

जय बोला, भाभी, निशा ठीक कह रही है। पहले मुझे इसकी मार लेने दो। उसके बाद जब मैं तुम्हारी चुदायी करुंगा तब तुम्हें खूब मज़ायेगा।

मैंने कहा, जैसा तुम ठीक समझो वैसा करो।

जय ने निशा से कपड़े उतारने को कहा तो उसने अपने कपड़े उतार दिये और एक दम नंगी हो गयी। निशा अब सिर्फ अपने सैंडल पहने हुए थी और उसका बदन एक दम गोरा था और वो मुझसे भी ज्यादा खूबसुरत थी।

मैंने जय से कहा, तुम्हारी पसन्द तो बहुत ही अच्छी है।

निशा जय के लंड को मुँह में लेकर चूसने लगी। थोड़ी ही देर में जय का लंड खड़ा हो गया। मेरी चूत भी जोश के मारे फिर से गीली होने लगी। मैं भी जल्द से जल्द जय से चुदवान चाहती थी। मैं जानती थी कि जय से चुदवाने में मुझे खूब मज़ा आयेगा। अगर निशा नहीं आयी होती तो अब तक जय मेरी चुदायी कर चुका होता। निशा **doggy style** में हो गयी तो जय उसके पीछे आ गया। जय ने अपना लंड निशा की चूत में घुसाना शुरु कर दिया। निशाके मुँह से जरा सी भी आवाज़ नहीं निकाल रही थी और जय का पूरा का पूरा लंड उसकी चूत में समा गया। मैं आँखें फाड़े निशा को देखती रही। पूरा लंड घुसा देने के बाद जय ने निशा की

कमर को जोर से पकड़ लिया और बहुत ही जोर जोर के धक्के लगाते हुए उसकी चुदायी करने लगा। अब हर धक्के के साथ निशा के मुँह से आह... आह... की आवाज़ निकलने लगी। २ मिनट में ही निशा पूरी तरह से मस्त हो गयी और कहने लगी, और... तेज... और... तेज... फाड़ दो मेरी चूत को... । वो अपने चुतड़ आगे पीछे करते हुए जय का साथ देने लगी थी। जय भी पूरी ताकत के साथ बहुत जोर के धक्के लगा रहा था। जय का ८" लम्बा और खूब मोटा लंड निशा की चूत में सटा सट अन्दर बाहर हो रहा था। उसकी चूत के lips ने जय के लंड को जकड़ रखा था।

जय ने मुझसे पुछा, भाभी, कैसा लग रहा है। अच्छी तरह से चोद रहा हूँ ना।

मैंने कहा, तुम्हारा तो जवाब नही है। तुम तो बहुत ही अच्छी तरह से निशा की चुदायी कर रहे हो। मेरी भी चुदायी इसी तरह करना।

जय ने कहा, भाभी, अभी तुमने पूरी तरह से निशा की चुदायी कहाँ देखी है। अब देखो कि मैं निशा के साथ क्या करता हूँ।

१५ मिनट गुजर चुके थे। निशा अब तक २ बार झड़ चुकी थी। जय ने अपना लंड निशा की चूत से बाहर निकाला और निशा की गाँड में घुसाने लगा। मैं आँखें फाड़े जय के लंड को निशा की गाँड में घुसता हुआ देखती रही। थोड़ी ही देर में जय का पूरा का पूरा लंड निशा की गाँड में समा गया। उसके बाद जय ने बहुत आ बुरी तरह से निशा की गाँड मारनी शुरु कर दी। निशा भी पूरी तरह से मस्त हो चुकी थी। निशा को चुदवाता हुआ देख कर मेरी चूत गीली हुयी जा रही थी। मैं भी अपनी चूत में अंगुली डाल कर अन्दर बाहर करने लगी। थोड़ी देर बाद जय ने अपना लंड निशा की गाँड से बाहर निकाल कर उसकी चूत में डाल दिया और पूरे ताकत के साथ जोर जोर के धक्के लगाते हुए उसकी चुदायी करने लगा। जय बहुत ही अच्छी तरह से निशा की चुदायी कर रहा था और उसकी गाँड मार रहा था। लगभग ३० मिनट की चुदायी के बाद जय झड़ गया। निशा भी २ बार झड़ चुकी थी। लंड का सारा रस निशा की चूत में निकाल देने के बाद जय ने अपना लंड उसकी चूत से बाहर निकाला तो निशा ने तुरन्त ही उसके लंड को अपने

मुँह में ले लिया और उसके लंड को चाट चाट कर साफ़ करने लगी। उसके बाद निशा ने अपने कपड़े पहने और मुझसे बोली, दीदी, अब तुम सारा दिन जय से चुदायी का मज़ा लो। और जय हो सके तो इनको एक-आध पैग लगवा दो.. खूब मज़े से चुदवायेंगी फिर तुमसे।

उसके बाद वो घर चली गयी। मेरे दिमाग में बार बार निशा की चुदायी का scene घूम रहा था। जय ने निशा को बहुत ही अच्छी तरह से चोदा था। जय बोला, भाभी निशा सही कह रही है... मैं आप के लिए एक ज़ोरदार पैग बना देता हूँ, फिर आपको चुदवाने में ज्यादा मज़ा आयेगा। ये कह कर वो पैग लाने बाहर चला गया। मैंने पहले तीन चार बार प्रभु के कहने पर उनके साथ थोड़ी सी पी थी। जय ने मुझे ला कर पैग दिया तो मैंने किसी तरह जल्दी हलक के नीचे उतारा क्योंकि पैग बहुत ही स्ट्राँग था। पीने के बाद मेरा तो सिर हल्का लगने लगा और मुझ पर मस्ती छाने लगी।

१५-२० मिनट के बाद जय बोला, तुम मेरा लंड सहलाओ, अब मैं तुम्हारी चुदायी करुंगा। मैं तो जय के लंड की दीवानी हो चुकी थी। मैंने तुरन्त ही आके लंड को हाथ में पकड़ लिया और सहलाने लगी। उसने मेरे boobs को मसलते हुए मेरे होंठों को चूमना शुरु कर दिया। थोड़ी ही देर में उसका लंड tight हो गया। वो बोला, अब थोड़ी देर तक तुम मुँह में लेकर चूसो इसे। इससे मेरा लंड और ज्यादा tight हो जायेगा। मैंने जय के लंड को अपने मुँह में ले लिया और तेजी के साथ चूसने लगी। हल्के नशे की हालत में उसका लंड चूसना मुझे बहुत ही अच्छा लग रहा था। मैं उसका लंड चूसती रही और वो जोश में आ कर आहें भरते हुए मेरे boobs को मसलता रहा। थोड़ी ही देर में उसका लंड पूरी तरह से tight हो गया। उसके बाद जय मेरे पैरों के बीच आ गया। उसने मेरे पैरों को मोड़ कर मेरे कन्धे पर सटा कर दबा दिया। मैं एक दम दोहरी हो गयी और मेरी चूत उपर उठ गयी। मैं इस style में प्रभु से कयी बार चुदवा चुकी थी। इस style में चुदवाने पर प्रभु का ३" लम्बा लंड भी मेरी चूत में ज्यादा गहरायी तक घुस जाता था। जय का लंड तो प्रभु के लंड से बहुत ज्यादा लम्बा और मोटा था। मैं जानती थी कि मुझे जय से चुदवाने में बहुत ज्यादा तकलीफ़ होने वाली है लेकिन मुझे ये भी मालूम था कि मुझे मज़ा भी खूब आयेगा।

जय ने अपने लंड का सुपाड़ा मेरी चूत के मुँह पर रखते हुए कहा, भाभी, आज मैं पहली बार तुम्हारी चुदायी करने जा रहा हूँ। तुम चाहे जितना भी चीखोगी या चिल्लाओगी मैं तुम्हारी एक भी नहीं सुनुँगा क्यों कि इसी तरह की चुदायी में औरत को मज़ा आता है और वो अपनी पहली बार की चुदायी को सारी ज़िन्दगी याद करती है। मैं तुम्हारी चूत में पूरा का पूरा लंड घुसाते हुए तुम्हें बहुत ही बुरी तरह से चोदुंगा।

मैंने कहा, जय प्लीज़, ऐसा मत करो। मुझे बहुत दर्द होगा। मैं मर जाऊँगी।

वो बोला, फिर मुझसे चुदवाने का इरादा छोड़ दो। मैं तुम्हें नहीं चोदूँगा।

इतना कह कर उसने अपना लंड मेरी चूत के मुँह पर से हटा लिया। मैं ठीक उसी तरह से तड़प उठी जैसे कई दिनों के भूखे के सामने से खाने की थाली हटा ली गयी हो।

मैंने कहा, अच्छा बाबा, तुम जैसे चाहो मुझे चोदो। मैं तुम्हें मना नहीं करूँगी।

वो बोला, फिर ठीक है।

उसने अपने लंड का सुपाड़ा फिर से मेरी चूत के मुँह पर रख दिया और अपने सारे बदन का जोर देते हुए एक धक्का मारा। मेरे मुंह से जोर की चीख निकली। मैं दर्द के मारे तड़पने लगी जब कि मैं उसका पूरा लंड अपनी चूत में एक बार अन्दर ले चुकी थी। लग रहा था कि कोई गरम लोहा मेरी चूत को चीर कर अन्दर घुस गया हो। मेरी चूत का मुँह उसकी सीमा से बहुत ज्यादा फैल गया था। उसने मुझे इस तरह से पकड़ रखा था कि मैं जरा सा भी हिल डुल नहीं पा रही थी। जय का लंड इस एक ही धक्के में मेरी चूत में ४" तक घुस चुका था। इसके पहले की मैं जय को मना कर पाती उसने फिर से एक बहुत ही जोर का धक्का लगा दिया। मेरा सारा बदन थर थर कांपने लगा। मैं पसीने से नहा गयी। मैं दर्द के मारे जोर जोर से चिल्लाने लगी। मैंने जय से रुक जाने को कहा लेकिन जय तो

जैसे पागल हो चुका था। वो तो कुछ सुन ही नहीं रहा था। उसका लंड दूसरे धक्के के साथ ही मेरी चूत में और ज्यादा गहरायी तक समा गया। उसने पूरी ताकत के साथ बहुत ही जोर का तीसरा धक्का लगाया। इस धक्के के साथ ही उसका पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में समा गया। पूरा लंड मेरी चात में घुसा देने के बाद जय रुक गया मेरे **boobs** को मसलते हुए बोला, क्यों भाभी, मज़ा आया न।

मैंने कहा, तुम बड़े बेरहम हो। तुमने तो मेरे को मार ही डाला। धीरे धीरे नहीं घुसा सकते थे क्या।

वो बोला, ३ ही धक्के तो लगाये हैं मैंने। इस तरह से लंड घुसाने में जो मज़ा आता है वो मज़ा धीरे धीरे घुसाने में कहाँ है। इतना कहने के बाद जय ने धक्के लगाने शुरु कर दिये। मेरी चूत ने उसके लंड को इतनी बुरी तरह से जकड़ रखा था कि चाह कर भी वो तेजी के साथ धक्के नहीं लगा पा रहा था। मुझे नशे और मस्ती के बावजूद भी बहुत तेज दर्द हो रहा था और मेरे मुँह से चीख निकल रही थी। वो धक्के लगाता रहा। धीरे धीरे मेरी चूत ने उसके लंड को रास्ता देना शुरु कर दिया तो मेरा दर्द कुछ कम होने लगा। मैं दर्द के मारे आहें भरती रही और जय धक्के पर धका लगाये जा रहा था। मेरी चूत ने अभी भी उसके लंड को बुरी तरह से जकड़ रखा था इस वजह से जय का लंड आसानी से मेरी चूत में अन्दर बाहर नहीं हो पा रहा था। वो मुझे धीरे धीरे चोदता रहा। ५ मिनट की चुदायी के बाद जब मैं झड़ गयी तो मेरी चूत गीली हो गयी। मेरी चूत ने भी अब जय के लंड को थोड़ा सा रास्ता दे दिया था। जय ने अपनी **speed** बढ़ानी शुरु कर दी। मेरा दर्द भी अब बहुत हद तक कम हो चुका था और मुझे भी मज़ा आने लगा था। जय अपनी **speed** बढ़ाता रहा। अब वो पूरे जोश के साथ मुझे चोद रहा था। मैं भी मस्त हो चुकी थी। मैं इसी तरह की चुदायी के लिये इतने दिनों से तड़प रही थी। ५ मिनट की चुदायी के बाद मैं फिर से झड़ गयी तो मेरी चूत पूरी तरह से गीली हो चुकी थी। मेरी चूत का ढेर सा रस जय के लंड पर भी लग गा था। मेरी चूत ने भी अब जय के लंड से हार मन ली थी और अपना मुंह खोल करके लंड को पूरा रास्ता दे दिया। अब उसका लंड मेरी चूत में सटा सट अन्दर बाहर होने लगा था। जय की **speed** भी अब बहुत तेज हो चुकी थी। सारा बेड जोर

जोर से हिल रहाहा। लग रहा था कि जैसे रूम में तूफ़ान आ गया है। मैं भी जोश में आ कर अपने चुतड़ उठाने की कोशिश कर रही थी लेकिन जय ने मुझे इतनी बुरी तरह से जकड़ रखा था कि मैं चाह कर भी अपने चुतड़ नहीं उठा पा रही थी। जय जब अपना लंड मेरी चूत में अन्दर घुसाने लगता तो वो मेरे पैरों को मेरे कन्धे पर जोर से दबा देता था। ऐसा करने से मेरी चूत एक दम उपर उठ जाती थी और उसका लंड मेरी चूत में पूरी गहरायी तक घुस जाता था। उसके लंड का सुपाड़ा मेरी बच्चेदानी के मुँह का चुम्बन लेते हुए उसे पीछे की तरफ़ धकेल रहा था। मुझे इसमें खूब मज़ा आ रहा था। जय मुझे बहुत ही बुरी तरह से चोद रहा था। १० मिनट की चुदाई के बाद मैं तीसरी बार झड़ गयी। मैं पूरे जोश में थी और मेरी जोश भरी सिसकारियाँ कमरे में गून्ज रही थीं। मैं अब जय से कह रही थी, और... तेज... और... तेज... खूब...। जोर...। जोर... से... चोदो... मुझे...॥ फाड़..डालो... अपनी भाभी की चूत...। को...। ।

जय भी जोश में आ कर आहें भरता हुआ मुझे बहुत बुरी तरह से चोद रहा था। जय ताकतवर था ही। वो बहुत जोरदार के धक्के लगा रहा था। मेरे बदन के सारे जोड़ हिलने लगे थे। रूम में धप धप और छप छप की आवज गून्ज रही थी। साथ ही साथ पूरा बेड भी जोर जोर से हिल रहा था। १५ मिनट की चुदायी के बाद जब जय मेरी चूत में झड़ गया तो मैं भी जय के साथ ही साथ चौथी बार झड़ गयी। उसने मेरे पैर छोड़ दिये और अपना लंड मेरी चूत में ही डाले हुए मेरे उपर लेट गया। उसका लंड और मेरी चूत हम दोनों के रस से एक दम भीग चुके थे। ढेर सारा रस बेड की चादर पर भी लग गया था और मेरी जाँघों पर भी। जय मेरे उपर ही लेटा रहा। हम दोनों एक दूसरे को चूमते रहे। मैं जय की पीठ और कमर को सहलाती रही। वो मेरे होंठों को चूमता रहा और मेरे **boobs** को मसलता रहा और मुझसे कहने लगा, तुमने भैया से भले ही बहुत बार चुदवाया है लेकिन तुम्हारी चूत मेरे लंड के लिये किसी कुंवारी चूत से कम नहीं है। भैया तो तुम्हें औरत नहीं बना पाये थे लेकिन मैंने तुम्हें अब लड़की से आधी औरत बना दिया है।

मैंने कहा, आधी कैसे, अब तो तुमने मुझे पूरी तरह से औरत बना दिया है।

वो बोला, अभी मैंने तुम्हें पूरी तरह से औरत कहाँ बनाया है। थोड़ी देर बाद मैं तुम्हें पूरी तरह से औरत बना दूंगा।

मैंने कहा, वो कैसे।

वो बोला, तुमने देखा था न कि मैंने निशा की गाँड और चूत दोनों को बुरी तरह से चोदा था। अभी तो मैंने केवल तुम्हारी चूत की ही चुदायी की है। जब मैं तुम्हारी गाँड भी मार लूँगा तब तुम पूरी तरह से औरत बन जाओगी।

मैंने कहा प्लीज़। ऐसा मत करो। मेरी चूत में पहले से ही बहुत दर्द हो रहा है। अगर तुम आज ही मेरी गाँड भी मार दोगे तो मैं तो बेड पर से उठने के काबिल भी नहीं रह जाउंगी।

वो बोला, तो क्या हुआ। मैं तुम्हें आज पूरी तरह से औरत बना कर ही दम लूँगा। १५ मिनट गुजर गये तो जय का लंड मेरी चूत में ही फिर से खड़ा होने लगा। जैसे ही उसका लंड खड़ा हुआ उसने फिर से मेरी चुदाई शुरु कर दी। इस बार मुझे बहुत हल्का सा दर्द ही हो रहा था क्यों कि उसने अपना लंड मेरी चूत से बाहर ही नहीं निकाला था। इस बार मुझे भी खूब मज़ा रहा था। जय पूरे जोश और ताकत के साथ जोर जोर के धक्का लगाता हुआ मुझे चोद रहा था। २ मिनट में ही मैं एक दम मस्त हो गयी थी और चुतड़ उठा उठा कर जय से चुदवाने लगी। फिर जय ने अपना लंड मेरी चूत से बाहर निकाल लिया। उसका लंड मेरी चूत के रस से एक दम भीगा हुआ था। उसने मुझे **doggy style** में कर दिया। उसके बाद उसने अपने लंड का सुपाड़ा मेरी गाँड के छेद पर रख दिया और मेरी कमर को जोर से पकड़ लिया। मैं डर गयी क्यों कि अब मुझे बहुत ज्यादा तकलीफ़ होने वाली थी। उसके बाद उसने एक धक्का मारा तो मेरी तो जान ही निकल गयी। उसके लंड का सुपाड़ा मेरी गाँड को चीरता हुआ अन्दर घुस गया। मैं दर्द के मारे जोर जोर से चीखने लगी तभी उसने दूसरा धक्का लगा दिया इस बार का धक्का इतने जोर का था कि मैं दर्द के मारे तड़प उठी। मैं बहुत ही बुरी तरह से चीखने लगी। उसका लंड इस धक्के के साथ ही मेरी गाँड में ४" तक घुस

गया। मैं रोने लगी। मैंने कहा, अपना लंड बाहर निकाल लो नहीं तो मैं मर जाउंगी। बहुत दर्द हो रहा है। मेरी गाँड फट जायेगी।

जय ने एक झटके से अपना लंड मेरी गाँड से बाहर निकाल कर मेरी चूत में घुसेड़ दिया। उसके बाद उसने मेरी चुदायी शुरु कर दी। मुझे थोड़ी ही देर में फिर से मज़ा आने लगा और मैं गाँड के दर्द को भूल गयी। उसने अपना लंड मेरी चूत से बाहर निकाल कर एक झटके से मेरी गाँड में डाल दिया। मेरे मुँह से जोर की चीख निकली। उसके बाद उसने जोर का धक्का लगाया। इस धक्के के साथ ही उसका लंड मेरी गाड में और ज्यादा गहरायी तक घुस गया। मैं जोर से चिल्लायी, जय, मैं मर जाउंगी।

वो बोला, शाँत हो जाओ। क्या तुमने आज तक कभी सुना है कि किसी औरत की मौत चुदवाने से या गाँड मरवाने से हुयी है।

मैंने कहा, नहीं।

वो बोला, फिर घबड़ाओ मत, तुम मरोगी नहीं केवल दर्द बहुत होगा। उसके बाद तो तुम खुद ही रोज रोज मुझसे गाँड भी मरवाओगी और चूत की चुदायी भी करवाओगी। इतना कहने के बाद उसने पूरी ताकत के साथ फिर से एक धक्का मारा। मेरा बदन पसीने से लथपथ हो गया। मेरी आँखों के सामने अन्धेरा छाने लगा। मैं दर्द के मारे जोर जोर से चीखने लगी। जय ने मेरे उपर जरा सा रहम नहीं किया और बहुत जोरदार एक धक्का और लगा दिया। इस धक्के के साथ ही उसका पूरा का पूरा लंड मेरी गाँड में समा गया। मैं रोने लगी थी और मेरी आँखों से आँसू बह रहे थे। उसने मुझे बिना कोई मौका दिये ही अपना पूरा का पूरा लंड बाहर खींच लिया और फिर एक झटके में वापस मेरी गाँड में घुसेड़ दिया। मैं फिर से चीखी। उसने मेरी चीख पर कोई भी ध्यान नहीं दिया और न ही मुझ पर कोई रहम किया। उसने ऐसा ४-५ बार किया। मेरी गाँड की हालत एक दम खराब हो चुकी थी। उसके बाद उसने अपना लंड मेरी चूत में घुसा कर मेरी चुदायी शुरु कर दी। थोड़ी ही देर में मैं फिर से सारा दर्द भूल गयी और मुझे मज़ा आने लगा। जय ने अपना लंड मेरी चूत से बाहर निकाला और मेरी गाँड में घुसेड़ दिया। मैं

फिर से चिल्लायी। लेकिन इस बार जय रुका नहीं। उसने तेजी के साथ मेरी गाँड मारनी शुरु कर दी। लगभग ५ मिनट तक मैं चीखती रही। फिर धीरे धीरे शाँत हो गयी। अब मुझे गाँड मरवाने में भी मज़ा आने लगा था। १० मिनट तक मेरी गाँड मारने के बाद जय ने अपना लंड मेरी चूत में घुसा दिया और मेरी चुदायी करने लगा। मैं एक दम मस्त हो चुकी थी और सिसकारियाँ भरने लगी थी। थोड़ी देर बाद जब उसने अपना लंड मेरी चूत से बाहर निकला तो मैंने कहा, अब तो तुमने मुझे पूरी तरह से औरत बना दिया।

वो बोला, अभी कहाँ।

मैंने कहा, अब क्या बाकी है।

वो बोला, अभी मैंने ठीक से तुम्हारी गाँड कहाँ मारी है। मैं तो अभी तुम्हारी गाँड को ढीला कर रहा था। अगली बार मैं केवल तुम्हारी गाँड मारूँगा और अपने लंड का सारा रस तुम्हारी गाँड में निकाल दूँगा। उसके बाद तुम पूरी तरह से औरत बन जाओगी।

४५ मिनट के बाद जय का लंड खड़ा हो गया तो उसने मेरी गाँड मारनी शुरु कर दी। पहले तो मुझे बहुत दर्द हुआ लेकिन थोड़ी ही देर बाद मेरा सारा दर्द खतम हो गया। जय बहुत बुरी तरह से मेरी गाँड मार रहा था। मैं भी अब मस्त हो चुकी थी। मुझे भी अब खूब मज़ा आ रहा था। मैं नहीं जानती थी कि गाँड मरवाने में भी इतना मज़ा आता है। इस बार उसने मेरी चूत को छुआ तक नहीं केवल मेरी गाँड मारता रहा। उसने लगभग ४५ मिनट तक खूब जम कर मेरी गाँड मारी और फिर मेरी गाँड में ही झड़ गया। इस दौरान जोश के मारे मेरी चूत से २ बार पानी भी निकल चुका था। लंड का सारा रस मेरी गाँड में निकाल देने के बाद जय हट गया और मेरे बगल में लेट गया।

मैंने मुसकुराते हुए कहा, अब तो मैं पूरी तरह से औरत बन गयी हूँ या अभी कुछ और भी बाकी है।

वो बोला, नहीं, अब तो मैंने तुम्हें पूरी तरह से औरत बना दिया है। शादी में लड़का लड़की की मांग में सिन्दूर भरता है। बोलो, भरता है या नहीं।

मैंने कहा, हाँ, भरता है।

उसके बाद वो लड़की उस लड़के के साथ सुहागरात मनाती है। मनाती है या नहीं।

मैंने कहा, मनाती है।

वो बोला, जब लड़के का लंड पहली बार लड़की की चूत में घुसता है तब खून निकलता है। निकलता है या नहीं।

मैंने कहा, निकलता तो है।

वो बोला, वो खून नहीं होता। लड़की की चूत लड़के के लंड को अपने खून का टीका लगा कर उस लड़के के लंड से शादी कर लेती है। उसके बाद वो लड़की लड़की नहीं रहती, औरत बन जाती है। मैंने तुम्हारी चूत में अपना लंड घुसाया तो तुम्हारी चूत ने भी मेरे लंड को अपने खून का टीका लगाया और मेरे लंड से शादी कर ली। उसके बाद जब मैंने तुम्हारी गाँड में अपना लंड घुसाया तो तुम्हारी गाँड ने भी मेरे लंड को अपने खून का टीका लगाया और मेरे लंड से शादी कर ली। अब मेरा लंड तुम्हारी चूत और गाँड का पति हो गया है और तुम पूरी तरह से औरत बन गयी हो।

मैंने कहा, लेकिन तुम्हारे भैया ने जब अपना लंड पहली बार मेरी चूत में घुसाया था तो उनके लंड को मेरी चूत ने खून का टीका नहीं लगाया था।

जय बोला, तुम्हारी चूत ने भैया के लंड को खून का टीका इसलिये नहीं लगाया था क्योंकि उनका लंड बहुत छोटा था और तुम्हारी चूत को भैया का लंड पसन्द नहीं आया था। तुम्हारी चूत और गाँड ने मेरे लंड को अपने खून का टीका इसलिये लगाया क्यों कि तुम्हारी गाँड और चूत को मेरा लंड पसन्द आ गया था।

उसकी बात सुन कर मैं जोर जोर से हँसने लगी। मेरे साथ ही साथ वो भी हँसने लगा। सारा दिन जय मेरी चुदायी करता रहा और मेरी गाँड मारता रहा। शाम के ५ बजे प्रभु का फोने आया कि ऑफिस में कुछ काम होने की वजह से वो रात के ११ बजे तक आयेंगे। ये सुन कर जय खुश हो गया और मैं भी। रात के ११ बजे तक जय ने मुझे ५ बार चोदा और ३ बार मेरी गाँड मारी। मुझे पहली बार जवानी का असली मज़ा आया था और मैं एक दम मस्त हो गयी थी। रात के ११ बजे प्रभु वापस आ गये। मेरी गाँड और चूत बुरी तरह से सूज गयी थी। मैं बेड पर से उठने के काबिल ही नहीं रह गयी थी। जय दरवाज़ा खोलने गया तो मैंने एक चादर ओढ़ ली। दरवाज़ा खोलने के बाद जय अपने रूम में चला गया। प्रभु मेरे पास आये। उन्होंने मुझे चादर ओढ़ कर लेटे हुए देखा तो बोले, क्या हुआ।

मैंने कहा, वही जो होना चाहिये था। मैंने आज जय से सारा दिन खूब जम कर चुदवाया है। उसने मेरी गाँड भी मारी है। आज मुझे जवानी का असली मज़ा मिला है जो कि तुम मुझे कभी नहीं दे सकते थे।

वो बोले, चलो अच्छा ही हुआ। अब तुम्हें सारी ज़िन्दगी जय से मज़ा मिलता रहेगा। तुम्हें कहीं इधर उधर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जय से चुदवा कर खुश हो न।

मैंने कहा, हाँ, मैं बहुत खुश हूँ। उसने आज मुझे बहुत ही अच्छी तरह से चोदा है। मैं जय से चुदवाने के बाद पूरी तरह से सन्तुष्ट हूँ। तभी प्रभु ने मेरे उपर से चादर खींच ली और मेरी चूत और गाँड को देखने लगे।

वो बोले, तुम्हारी चूत और गाँड की हालत तो एकदम खराब हो गयी है। बेड की चादर भी तुम दोनों के रस से और खून से एक दम भीग कर खराब हो चुकी है।

मैंने कहा, हाँ, मैं जानती हूँ। मैं इस चादर को साफ़ नहीं करूँगी। इस से मेरी यादें जुड़ी हुयी हैं। मैं इसे सारी ज़िन्दगी अपने पास सम्भाल कर रखुंगी।

वो बोले, ठीक है, रख लेना।

उसके बाद प्रभु ने भी मेरी चुदायी की। जय के लंड ने मेरी चूत को इतना ज्यादा चौड़ा कर दिया था कि मुझे पता ही नहीं चला कि कब उनका लंड मेरी चूत में घुसा और कब बाहर निकल गया। उसके बाद हम सो गये। सुबह को प्रभु के ऑफिस जाने के बाद जय ने फिर से मेरी चुदायी शुरु कर दी। उस दिन भी वो कॉलेज नहीं गया। वो सारा दिन मुझे चोदता रहा और मेरी गाँड मारता रहा। ये सिलसिला लगभग १ महीने तक चला। १ महीने तक मैंने जय से खूब मज़ा लिया। उसके बाद जय २० दिनों के लिये tour पर चला गया। उसके चले जाने से मैं उदास रहने लगी। २ दिनों के बाद जब प्रभु ऑफिस से वापस आये तो उनका चेहरा उदास था।

मैंने पुछा, क्या हुआ।

वो बोले, मेहता को तो जानती हो न।

मैंने कहा, वो तो हमारे boss थे। क्या हुआ उनको।

प्रभु बोले, उस साले को क्या होगा। आज उसने मुझे अपने chamber में बुलाया और कहने लगा कि पुराना accountant नौकरी छोड़ कर चला गया है। अगर तुम accountant बनना चाहते हो तो बोलो। मैंने उस से कहा कि, मुझे ही accountant बना दिजिये। इस पर मेहता बोला कि , तुम इसके बदले क्या दोगे मुझे। मैंने उस से कहा, सारा कुछ आप का ही तो है। मेहता कहने लगा कि , शर्मा भी ग्च्च्ब्व्फ्ळ्ग्फ्ळ बनना चाहटा है। बदले में वो मुझे एक रात के लिये अपनी बीवी देगा। तुम क्या दोगे। अगर तुम दो रात के लिये अपनी बीवी मुझे दे दो तो मैं तुम्हें accountant बना दूंगा। मैंने तो मेहता से कह दिया कि ऐसा नहीं हो सकता।

मैंने प्रभु से कहा, मेहता है ही ऐसा आदमी। वो अपने साथ हम बिस्तर होने पर ही कितनों को तरक्की देता है। ऑफिस की कईं लड़कियाँ उसके साथ हम बिस्तर हो चुकी हैं। रानी को तो तुम जानते ही हो। वो मेरी सहेली थी। एक दिन मेहता ने

उस से भी यही बात कही थी। उसने उसे अपनी PA बनाने का लालच दिया था। रानी को ज्यादा पैसों की जरूरत थी इसलिये वो राज़ी हो गयी थी। वो मेहता के साथ हम बिस्तर हुयी और उसकी PA बन गयी। ३ दिनों तक रानी ऑफिस नहीं आयी। तीसरे दिन जब रानी ऑफिस आयी तो मैंने उसका हालचाल पूछा। रानी ने मुझे बताया था कि वो मेहता के साथ हम बिस्तर होने के बाद चलने फिरने के काबिल नहीं रह गयी थी। मैंने उस से पूछा कि मेहता ने उसके साथ ऐसा क्या कर दिया। उसने मुझे बताया कि मेहता का लंड १०" लम्बा और बहुत ज्यादा मोटा था। तब मुझे उसकी बात पर विश्वास ही नहीं हुआ था जब मैंने जय का लंड देखा तो मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि रानी सही कह रही थी। मैं तो जय के ८" लम्बे लंड से चुदवाने की आदी हो चुकी हूँ। मेहता का लंड १०" लम्बा है। उससे चुदवाने में मुझे और ज्यादा मज़ा आयेगा। जय भी tour पर गया है इस लिये मेरी चूत में खुजली भी हो रही है। तुम भी accountant बन जाओ। इस से तुम्हारी salary दुगुनी हो जायेगी और हमारी जिन्दगी और ज्यादा अच्छी तरह से गुजरेगी। मुझे भी चुदवाने का मौका मिल जायेगा।

प्रभु बोले, तुम क्या कह रही हो।

मैंने कहा, मैं ठीक ही कह रही हूँ। जय से चुदवाने के बाद मेरी चूत एक दम चौड़ी हो ही चुकी है। मेहता से दो रात चुदवाने से मेरे उपर ज्यादा फरक नहीं पड़ेगा, बस मेरी चूत थोड़ी से और चौड़ी हो जायेगी। यह बात किसी को पता भी नहीं चलेगी। बस केवल तुम राज़ी हो जाओ। क्या तुम नहीं चाहते कि मुझे जवानी का भरपूर मज़ा मिले।

प्रभु सोच में पड़ गये। थोड़ी देर बाद वो बोले, मैं कल मेहता से बात करूँगा।

मैंने कहा, ठीक है।

दूसरे दिन जब प्रभु ऑफिस से वापस आये तो उनका चेहरा उदास था। मैंने पुछा, अब क्या हुआ। क्या मेहता राज़ी नहीं हुआ।

वो बोले, अब वो ४ दिन के लिये हम बिस्तर होने को कह रहा है। ऑफिस में २ लोग और अपनी बीवी उसे देने के लिये तैयार हैं।

मैंने कहा, तुम अभी उसे फोन करके कह दो। नहीं तो जितना ज्यादा देर करोगे मुझे उतने ही ज्यादा दिन उसके पास रहना पड़ेगा।

प्रभु ने मेहता को फोन किया।

मेहता ने प्रभु से कहा, अभी नहीं। अभी मैं और इन्तज़ार करुंगा। हो सकता है कि कोई मुझे अपनी बीवी और ज्यादा दिनों के लिये देने के लिये तैयार हो जाये।

प्रभु ने फोन रख दिया। वो उदास हो गये। मैंने कहा, तुम accountant बनना चाहते हो य नहीं।

वो बोले, बनना तो चाहता हूँ लेकिन मेहता मान जये तब न।

मैंने कहा, तुम उसे दोबारा फोन कर के कह दो कि तुम हर कीमत पर accountant बनना चाहते हो। वो चाहे जितने दिनों के लिये मुझे अपने पास रख ले। मैं जानती हूँ कि वो बहुत अय्याश आदमी है। वो मुझे एक हफ़्ते से ज्यादा अपने पास नहीं रखेगा क्यों कि उसे हमेशा नयी नयी लड़की चाहिये।

प्रभु ने मेहता को फोन किया। मेहता तैयार हो गया। लेकिन उसने कहा कि मुझे आज ही जाना होगा। मैंने प्रभु से कहा, तुम मुझे उसके घर छोड़ दो। जय तो यहां है नहीं। उसे कुछ भी पता नहीं चलना चाहिये।

प्रभु मुझे मेहता के घर छोड़ कर वापस चले आये। मेहता मुझे बहुत ही सैक्सी हाई हील के सैंडल पकड़ाते हुए बोला, कपड़े उतार दो। अब तुम्हें १० दिनों तक सिर्फ ये सैंडल पहनने हैं।

मैंने कहा, ठीक है सर। रानी ने मुझे मेहता के बारे में सब कुछ बता दिया था कि उसने मेहता को कैसे खुश किया था। मैं मेहता को रानी से भी ज्यादा खुश करना चाहती थी। मैंने मेहता को शराब पिलायी और उसे खूब जोश दिलाया और उसके साथ-साथ खुद भी पीकर मस्त हो गोयी। मेहता बहुत खुश हो गया। उसने अपने कपड़े उतारे तो मैं उसका लंड देखती ही रह गयी। उसका लंड जय के लंड से भी ज्यादा लम्बा और मोटा था। मैं समझ गयी कि मुझे फिर से दिक्कत होने वाली है लेकिन मैं ये भी जानती थी कि मुझे मज़ा भी खूब आयेगा। मेहता ने मेरी चूत में अपना लंड घुसाना शुरु किया तो मुझे दर्द होने लगा। मेरे मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगी। धीरे धीरे उसका लंड मेरी चूत में ८" तक घुस गया। उसके बाद जब मेहता अपना लंड और ज्यादा अन्दर घुसाने लगा तो मेरे मुँह से चीख निकलने लगी। दर्द के मारे मेरा बुरा हाल हो रहा था। मेहता मेरे चेहरे को देख रहा था। पूरा लंड घुसाने के बाद उसने मुझे चोदना शुरु किया। थोड़ी देर तक मैं दर्द के मारे चीखती रही फिर धीरे धीरे शाँत हो गयी। मुझे मज़ा आने लगा तो मैंने मेहता को खूब जोश दिला दिला कर चुदवाना शुरु कर दिया। मैंने उसके लंड की खूब तारीफ़ की।

वो मुझसे बहुत खुश हो गया और बोला, आज तक मैंने जितनी भी लड़कियों को चोदा वो सभी बहुत ज्यादा चिल्लायी और चीखी थी। लेकिन तुम ज्यादा नहीं चीखी और चिल्लायी और तुमने मेरा पूरा का पूरा लंड अपनी चूत में ले लिया। क्या तुम्हारे पति का लंड ज्यादा लम्बा और मोटा है।

मैंने मेहता से झूठ बोला और कहा, जी सर।

वो बोला, कितना लम्बा और मोटा है तुम्हारे पति का लंड?

मैंने कहा, सर, उनका लांड ९" लम्बा है और बहुत मोटा भी।

वो बोला, फिर तो तुम्हारी चुदायी करने में मुझे खूब मज़ा आयेगा। बाकी की लड़कियाँ चीखती और चिल्लाती थी इस लिये मुझे ज्यादा मज़ा नहीं आता था।

तुम मुझे पूरी तरह से खुश कर दो। मैं तुम्हारे पति को branch manager बना दूंगा।

मैंने कहा, मैं आप को पूरी तरह से खुश करने की कोशिश करुंगी सर।

उसने मुझे लगभग ३० मिनट तक खूब जम कर चोदा। मैंने भी उसे जोश दिला दिला कर उससे खूब जम कर चुदवाया। मुझे भी खूब मज़ा आया। इस चुदायी के दौरान मैं ३ बार झड़ गयी थी। लंड का सारा रस मेरी चूत में निकाल देने के बाद जब मेहता ने अपना लंड बाहर निकला तो मैंने देखा कि उसके लंड पर भी थोड़ा सा खून लगा हुआ था। मुझे जय की बात याद आ गयी कि मेरी चूत ने मेहता के लंड को भी पसन्द कर लिया था और उसके लंड को खून का टीका लगा कर उसके लंड से भी शादी कर ली थी। उसके बाद वो मेरे बगल में लेट गया। १० मिनट भी नहीं बीते थे कि मैंने उसके लंड को मुँह में लिया और चूसने लगी।

मेहता बहुत खुश हो गया और बोला, तुम तो बहुत सैक्सी हो। अभी १० मिनट भी नहीं बीते हैं कि तुमने मेरा लंड चूसना शुरु कर दिया।

मैंने कहा, सर, मैं आप को पूरी तरह से खुश करना चाहती हूँ।

मैं उसका लंड चूसती रही तो १० मिनट में ही उसका लंड फिर से खड़ा हो गया। उसने मुझे फिर से चोदना शुरू किया। इस बार उसने मुझे लगभग ४५ मिनट तक चोदा। मैंने भी उसे खूब जोश दिलाया। मैंने उससे कहा, सर, आप मुझे बहुत ही अच्छी तरह से चोद रहे हैं। इतनी अच्छी तरह से मेरे पति मुझे नहीं चोद पाते। आपका लंड भी बहुत अच्छा है।

मेरी बात सुन कर वो बहुत खुश हो गया। मैंने ६ दिनों तक तरह तरह के style में मेहता से खूब जम कर चुदवाया। सातवें दिन मैंने मेहता से कहा, सर, अब मैं आप को दूसरा मज़ा देना चाहती हूँ।

वो बोला, अब कौन सा मज़ा दोगी।

मैंने कहा, क्या आपने कभी किसी लड़की की गाँड मारी है।

वो बोला, सारी लड़कियाँ मुझसे चुदवाने में ही इतना ज्यादा चीखती और चिल्लाती थी कि मुझे कभी किसी लड़की की गाँड मारने का मौका ही नहीं मिला। क्या तुम मुझसे गाँड मरवाने के लिये तैयार हो।

मैंने कहा, जी सर। आप खूब जम कर मेरी गाँड मारिए और मज़ा लीजिये।

वो बोला, तुम फिर से चीखोगी और चिल्लाओगी।

मैंने कहा, सर, पहली पहली बार मुझे थोड़ी तो दिक्कत होगी ही क्योंकि आप का लंड मेरे पति के लंड से ज्यादा लम्बा और मोटा है। मैं अपने पति से खूब जम कर गाँड मरवाती हूँ।

वो बोला, फिर ठीक है।

४ दिनों तक मेहता ने खूब जम कर मेरी गाँड मारी। मुझे पहली बार उस से गाँड मरवाने में बहुत दर्द हुआ और मैं खूब चीखी भी लेकिन बाद में मुझे खूब मज़ा भी आया। मेरी गाँड को भी मेहता का लंड पसन्द आ गया और मेरी गाँड ने भी मेहता के लंड को खून का टीका लगा कर उसके लंड के साथ शादी कर ली। १० दिन गुजर गये तो मेहता ने कहा, अब तुम चाहो तो जा सकती हो।

मैंने कहा, सर, मुझे बिदायी नहीं देंगे।

वो बोला, बोलो क्या चाहिये।

मैंने कहा, सर, आपने ४ दिनों से मेरी चुदायी नहीं की है। आप केवल मेरी गाँड का ही मज़ा लेते रहे। मेरी चूत में खुजली हो रही है। आप एक बार मुझे और चोद दीजिये।

वो बोला, ये कौन सी बड़ी बात है। अभी चोद देता हूँ।

मेहता ने फिर से मेरी चुदायी की। उसने मुझे खूब जम कर चोदा। मैं उससे चुदवा कर एक दम मस्त हो गयी। उसके बाद मैं घर वापस चली आयी। घर पहुँचते ही प्रभु ने मुझसे पूछा, क्या हुआ, काम बन गया।

मैंने मज़ाक करते हुए कहा, वो तुम्हें accountant नहीं बनायेगा।

प्रभु उदास हो गये और बोले, उस साले ने १० दिनों तक मेरी बीवी की चुदायी की और मुझे accountant भी नहीं बनाया।

मैंने कहा, मेहता ने मुझे खूब जम कर चोदा है। मुझे उससे चुदवाने में खूब मज़ा आया और मैं एक दम मस्त हो गयी हूँ।

प्रभु उदास हो गये थे। थोड़ी देर बाद मैंने कहा, उदास मत हो। मेहता तुम्हें branch manager बनाने के लिये तैयार हो गया है। मेरी बात सुनकार प्रभु बहुत खुश हो गये। उन्होंने मुझे चूम लिया। अगले दिन मेहता ने प्रभु को branch manager बना दिया। कुछ दिनों के बाद जय भी वापस आ गया। उसे जब पता चला कि उसके भैया branch manager बन गये हैं तो वो बहुत खुश हो गया। वो नहीं जानता था कि मैने उसके भैया को branch manager कैसे बनवाया है। मुझे अब मेहता अकसर अपने घर बुलाया करता है। मुझे मेहता क लंड भी बहुत पसन्द आ गया था इसलिये मैं अब भी उसके घर जा कर उससे खूब जम कर चुदवाती हूं और मज़ा लेती हूं। अब तो जय मुझे प्रभु के सामने भी चोदने लगा है। प्रभु और जय बहुत खुश हैं और मैं भी।

*** समाप्त ***